

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 1 पर आधारित। यह किताब www.jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: खुद को जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।



क्या कोई सचमुच परमेश्वर का दोस्त बन सकता है?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग इस सवाल का जवाब “नहीं” क्यों देते हैं?

.....

कुछ लोग इस सवाल का जवाब “हाँ” क्यों देते हैं?

.....

आप क्या मानते हैं?

.....

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

.....

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

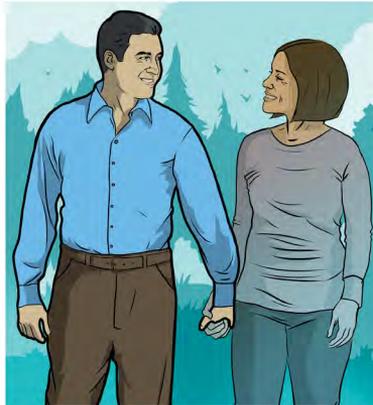
परमेश्वर चाहता है कि हम उसका नाम जानें और उसे इस्तेमाल करें।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 1 के पैराग्राफ 14-17 देखें।)

भजन 83:18 पढ़िए।

यह आयत कैसे दिखाती है कि परमेश्वर चाहता है कि हम उसे जानें?

आप कौन-सी मिसाल देकर समझाएँगे कि उपाधि और नाम में फर्क है?



एक आदमी की कई उपाधियाँ होती हैं। जैसे टीचर, पति और पिता। लेकिन उसके नाम से हमें उसके बारे में जो भी पता है वह सब याद आ जाता है। उसी तरह परमेश्वर की कई उपाधियाँ हैं जैसे पिता, प्रभु और सृष्टिकर्ता। लेकिन उसके नाम यहोवा से हमें वे सारी बातें याद आ जाती हैं जो हम उसके बारे में जानते हैं

यहोवा चाहता है कि हम उसके करीब आँ।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 1 के पैराग्राफ 18-24 देखें।)

प्रेषितों 17:27 और याकूब 4:8 पढ़िए।

ये आयतें कैसे दिखाती हैं कि यहोवा चाहता है कि हम उसके दोस्त बनें?

.....

.....

.....

निर्गमन 34:6 और 1 यूहन्ना 4:8, 16 पढ़िए।

यहोवा ने हमें अपने गुणों के बारे में क्यों बताया? आप क्या कहेंगे?

.....

.....

.....

यहोवा का कौन-सा गुण खास **आपके दिल** को छू जाता है?

.....

.....

.....

परमेश्वर चाहता है कि हम उसका नाम जानें और उसके करीब आँ। यह जानकर आपको कैसा लगता है?

.....

.....

.....

.....

3

समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

ईश्वर तो एक ही है, इसलिए कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम उसे किस नाम से बुलाते हैं।

आप उससे कह सकते हैं . . .

यह सच है कि सच्चा परमेश्वर सिर्फ एक ही है। लेकिन मैं मानता हूँ कि उसका नाम इसलिए लेना ज़रूरी है क्योंकि . . .

.....
.....

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

.....

आपको वह आयत क्यों अच्छी लगती है?

.....

अगर कोई कहे . . .

ईश्वर गुस्सेल और बेरहम है, वह हमें सिर्फ सज़ा देना चाहता है।

आप उससे कह सकते हैं . . .

कई धर्म ऐसा सिखाते हैं। मगर मैं ऐसा नहीं मानता क्योंकि . . .

.....
.....

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

.....

आपको वह आयत क्यों अच्छी लगती है?

.....